

चलन में मौजूद मुद्रा

वर्ष 2016 में सरकार द्वारा **वमिद्रीकरण** की घोषणा के लगभग छह वर्ष और दो महीने बाद चलन में मौजूद मुद्रा एक नई ऊँचाई (वमिद्रीकरण की घोषणा से पहले के दिनों की तुलना में 74% की वृद्धि) पर है।

- चलन में मौजूद मुद्रा की कुल राशियों में से बैंक नकदी घटाने के बाद जनता के पास मुद्रा की मात्रा नरिधारति की जाती है।
- भले ही सरकार और **भारतीय रज़िर्व बैंक** ने "कैशलेस सोसाइटी" के लिये अभियान चलाया, डिजिटल भुगतान एवं वभिन्न लेन-देन में नकदी के उपयोग पर सीमाएँ भी नरिधारति की परंतु नकदी की मात्रा में वृद्धि हो ही रही है।

चलन में मुद्रा:

- चलन में मौजूद मुद्रा से तात्पर्य एक देश के भीतर उस नकदी या मुद्रा से है जो **उपभोक्ताओं और व्यवसायों के बीच लेन-देन करने के लिये भौतिक रूप से उपयोग की जाती है।**
- चलन में मौजूद मुद्रा देश की मुद्रा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण घटक है।
- **केंद्रीय बैंकों के मौद्रिक प्राधिकरण चलन में भौतिक मुद्रा (physical currency) की मात्रा पर नज़र रखते हैं** क्योंकि यह सबसे अधिक तरल संपत्तियों में से एक का प्रतिनिधित्व करती है।
- चलन में मौजूद मुद्रा के अंतर्गत नोट, रुपए के सिकके और छोटे सिकके शामिल हैं।
- **करेंसी नोट जारी करने का एकमात्र अधिकार RBI के पास है।** सिककों को जारी करने का प्राधिकार भारत सरकार के पास है और मांग के आधार पर यह रज़िर्व बैंक को सिककों की आपूर्ति करती है।

मुद्रा आपूर्ति:

- यह ध्यान देने योग्य है कि मुद्रा का कुल स्टॉक मुद्रा की कुल आपूर्ति से भिन्न होता है।
 - मुद्रा की आपूर्ति मुद्रा के कुल भंडार का केवल वह भाग है जो किसी समय विशेष पर जनता के पास होती है।
- चलन में जो धन शामिल होता है उसमें मुद्रा नोट, जमा खातों में धन और अन्य तरल संपत्तियाँ होती हैं।
- आरबीआई मुद्रा आपूर्ति के चार वैकल्पिक उपायों के लिये आँकड़े प्रकाशित करता है, अर्थात् M1, M2, M3 और M4।
 - $M1 = CU + DD$
 - $M2 = M1 +$ डाकघर बचत बैंकों में बचत जमा
 - $M3 = M1 +$ वाणजियिक बैंकों में शुद्ध सावधि जमा
 - $M4 = M3 +$ डाकघर में कुल जमा (सावधि जमा+आवर्ती जमा) (राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों को छोड़कर)
- CU जनता द्वारा धारित मुद्रा (नोट+सिकके) है और DD वाणजियिक बैंकों द्वारा धारित शुद्ध मांग जमा है।
- 'नेट' शब्द का तात्पर्य है कि बैंकों द्वारा रखी गई जनता की जमा राशियों को ही मुद्रा आपूर्ति में शामिल किया जाना है।
 - जब एक वाणजियिक बैंक अन्य वाणजियिक बैंकों में इंटरबैंक डिपॉजिट रखता है, तो इसे मुद्रा की आपूर्ति का हिस्सा नहीं माना जाता है।
- **M1 और M2 को संकुचित मनी (नैरो मनी) कहा जाता है। M3 और M4 को वस्तुतः मनी (ब्रॉड मनी) के रूप में जाना जाता है।**
- ये श्रेणियाँ तरलता के घटते क्रम में हैं।
 - M1 लेन-देन के लिये सबसे अधिक तरल और आसान है, जबकि M4 सबसे कम तरल है।
 - M3 पैसे की आपूर्ति का सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला उपाय है। इसे कुल मौद्रिक संसाधनों के रूप में भी जाना जाता है।

प्रश्न. नमिनलखति उपायों में से किसके/कनिके परणामस्वरूप अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि होगी? (2012)

1. केंद्रीय बैंक द्वारा लोगों से सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय
2. लोगों द्वारा वाणजियिक बैंकों में जमा की गई करेंसी
3. सरकार द्वारा केंद्रीय बैंक से लिये गया ऋण
4. केंद्रीय बैंक द्वारा लोगों को सरकारी प्रतिभूतियों का विक्रय

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 4
- (c) केवल 1 और 3
- (d) केवल 2, 3 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- जनता द्वारा केंद्रीय बैंक में पैसा जमा करने और सरकार द्वारा अपनी प्रतभूतियों को जनता को बेचने की स्थिति में अर्थव्यवस्था में मुद्रा की आपूर्ति कम हो जाती है। अतः कथन 2 और 4 सही नहीं हैं।
- अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति बढ़ाने के तरीके:
 - अधिक मुद्रा छापना
 - ब्याज दरों में कमी
 - केंद्रीय बैंक द्वारा मुद्रा की आपूर्ति में नई मुद्रा की शुरुआत
 - ऋण हेतु आरक्षण अनुपात कम करना
 - केंद्रीय बैंक द्वारा सरकारी प्रतभूतियाँ खरीदना, अतः कथन 1 सही है।
 - वस्तुतः राजकोषीय नीति
- केंद्रीय बैंक से सरकार द्वारा ऋण लिये जाने से भी अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि होती है। अतः कथन 3 सही है।

अतः विकल्प (C) सही है।

प्रश्न. यदि आप अपने बैंक में अपने मांग जमा खाते से 1,00,000 रुपए नकद निकालते हैं, तो अर्थव्यवस्था में कुल धन आपूर्ति पर तत्काल क्या प्रभाव पड़ेगा? (2020)

- (a) यह 1,00,000 रुपए से कम होगा
- (b) यह 1,00,000 रुपए बढ़ जाएगा
- (c) यह 1,00,000 रुपए से अधिक बढ़ेगा
- (d) यह अपरिवर्तित रहेगा

उत्तर: (d)

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/currency-in-circulation>